3. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए :

(i) रामलीला (7)

अथवा

कहावतें

(ii) नौटंकी (6)

अथवा

रासलीला

munotes.in

7 Dec

[This question paper contains 4 printed pages.]

07 DEC 2022

Your Roll No. ....

Maitreyi College LIBRARY Chanakya Puri, New Delhi-110021

Sr. No. of Question Paper : 4136 **C**

Unique Paper Code : 12057501

Name of the Paper : हिंदी की मौखिक और लोक साहित्य परंपरा

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi/CBCS/DSE-2**

Semester : V

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (12×4=48)

(क) लोक साहित्य का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसकी विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।

अथवा

संस्कार गीतों का महत्व स्पष्ट कीजिए।

(ख) श्रम गीतों का भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।

अथवा

सोहर लोक गीत की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ग) लोककथा और लोकगाथा के अंतर को स्पष्ट करते हुए उसकी विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।

अथवा

लोकनाट्य के विभिन्न रूपों की चर्चा कीजिए।

(घ) मालवा के लोकनाट्य माच की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

अथवा

हरियाणा के सांग का विस्तृत परिचय दीजिए।

2. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : (7+7=14)

(क) दूसरा दन उनीज तरे माँ ने खीर ने राबड़ी बणाई। सूरजनारायण थाली देखता जई रया था। माँ परासी री थी। उनने देख्या के उनकी थाली में खीर ने बऊ की थाली में राबड़ी है। अब तो उनके अचंभो होण लगे। माँ कईं जादू टोनो जाने है, या कईं बात है? खूब विचार में पड़ी ग्या वी तो। नी समज में अई तो उनके दोणी में झाँकी के दख्या। अरे त्हारी या बात है?

अथवा

छापक पेड़ छिठलिया त पतवन गहवर हो।
रामा, तेहि तर ठाढ़ि हरिनिया; मन अति अन मनि।।
चरइत चरत हरिनवा त, हरिनी से पूछड़ हो।
हरिनी ! कि तोर चरहा झुरान, कि पानी बिनु मुरझिउ

(ख) खेतन में लागी कटनिया हो राम।
माथे क झूमर झलाझल झलके,
खनके कलइया, कँगनवा हो राम।
मिलि जुलि के सखिया लाही बँधवाओ।
भरै चलो घर की बखरिया हो राम।।

अथवा

कट्ठी होकै न्हाण चलैंगी दोघड़ धरल्यो सिर पै।
गीत गावंती चालैंगी सब लग्न लगाल्यो हर पै।
सिर चोटी कै लगा बोरला, साहर और डाँडे बाली।
आँख्य में स्याही नाक में नथली जुल्फ नाग-सी काली।।